17/12/24. आज पत्रावली पेश हुई। नकुलाय 3407। उभय पक्ष के विद्वान वकीलो की बहस सुनी गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली में संलग्न दस्तावेजी साक्ष्य एवं उभय पक्ष की बहस पर मनन करने पर प्रार्थी का प्रा०पत्र स्थगन स्वीकार किया जाता है। विस्तृत निर्णय पृथक से लिखा जा कर शामिल मिसल रहे। बाद पूर्ति पत्रावली फैसल शुमार हो कर मूलवाद के साथ संलग्न रहे।

सहायक कलक्टर
अलवर